भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि.: 16–04–2021

भाकृअनुप–अटारी कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी मीटिंग का आनलाइन आयोजन

दि 16 अप्रैल 2021 को भाकृअनुप–अटारी जोन तृतीय कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी की मीटिंग का आनलाइन आयोजन किया गया जिसमें भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक ने अध्यक्षता की, प्रधान वैज्ञानिकगण सदस्यों, मा0 मंत्री जी द्वारा नामित किसान सदस्यों, संस्थान के वैज्ञानिकगण, सहायक प्रशासनिक अधिकारी व मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं भारतीय दलहन अनु. संस्थान से सहा. वित्त एवं लेखा अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला में भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने सभी का स्वागत किया एवं उपस्थित सदस्यगणों को अटारी के कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी एवं प्रगति प्रतिवेदन 2020 एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण किया। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से 6 हजार से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा 28 हजार से अधिक किसान एवं युवा लाभान्वित हुए। प्रथमपंक्ति प्रदर्शनों का आयोजिन किया गया, एक तिहाई से अधिक शेयर दलहनी फसलों का रहा। एफ.एल.डी. के माध्यम से 30 प्रतिशत तक उपज वृद्धि में सफलता प्राप्त हुई। तकनीकी मूल्यांकन के अन्तर्गत 783 तकनीकों का मूल्यांकन किया गया। एक्सटेन्शन कार्यक्रमों के माध्यम से 11 लाख किसानों तक फायदा पहुँचा। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को पौध सामग्री का भी वितरण किया गया है। भाकृअनुप–अटारी कानपुर क माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों, पत्रिकाओं व न्यूजलेटर का भी प्रकाशन किया गया। भाकृअनुप विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। प्रक्षेत्र परीक्षणों में 2009–14 की तुलना में 2014–19 में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, विस्तार कार्यक्रमों की संख्या में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, मृदा परीक्षण में 250 प्रतिशत वृद्धि हुई। गेहूँ में लाइन से बुवाई के माध्यम से दोगुना लाभ प्राप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में निकरा परियोजना चल रही है। कृषि विज्ञान केन्द्रों में सी.एफ.एल.डी. दलहन–तिलहन प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

दलहन में देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। नारी परियोजना न्यूट्रीशियन से जुड़ी परियोजना है जिसका लक्ष्य ग्रामीण महिलाओं में पोषक तत्वों की कमी दूर करना है। आर्या परियोजना 9 जनपदों में, ट्राइबल सब प्लान प्रोजेक्ट 8 केवीके में, क्षमता प्रोजेक्ट ट्राइबल क्षेत्रों में, एस.सी.एस.पी प्रोजेक्ट 9 जनपदों में, फसल अवशेष प्रबन्धन प्रोजेक्ट 23 केवीके में चल रहा है। एग्रो–एडवाइजरी किसानों तक समय से पहुँचाने के लिये डामू प्रोजेक्ट वर्तमान में 17 केवीके में चल रहा है। फार्मर फर्स्ट प्रोजेक्ट 7 भाकृअनुप संस्थानों के माध्यम से चल रहा है। इसका उद्देश्य शोध के वैज्ञानिकों को किसानों से जोड़ना है। इनके अतिरिक्त दलहन में बीज उपलब्ध कराने के लिये दलहन बीज हब, रेपिड डाटा कलेक्शन के लिये सीसा परियोजना आदि परियोजनायें चल रही हैं।

उपस्थित वैज्ञानिक सदस्यों में डा. एस.एन. सिंह ने सुझाव दिया की अटारी रेडियो एवं टी.वी. कार्यक्रम संयोजकों से मिल कर प्रोग्राम बनायें जिससे टी.वी.–रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से सही डाटा एवं जानकारी लोगों तक पहुँचे। उन्होंने केवीके लखनऊ द्वारा मशरूम उत्पादन के प्रशिक्षण की सफलता का भो जिक्र किया।

कार्यशाला में भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह, गैर सरकारी नामित सदस्य डा. रमाकान्त शर्मा जी एवं श्री बलराम सिंह कछवाहा जी, अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डा. शान्तनु कुमार दुबे, डा. साधना पाण्डेय, डा. राघवेन्द्र सिंह एवं भाकृअनुप संस्थानों से नामित सदस्यगण डा. एस.एन. सिंह, डा. राजेश कुमार, डा. शिव धर, डा. राजीव कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान
संस्थान (अटारी), कानपुर
ICAR-Agricultural Technology Application
Research Institute (ATARI), Kanpur
ATARI

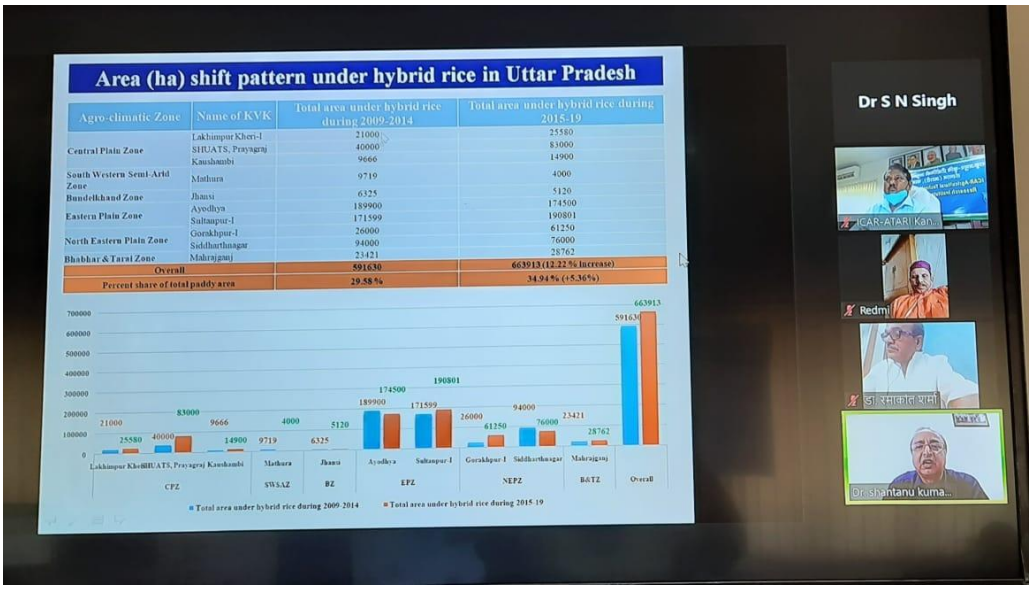
Area (ha) shift pattern under hybrid rice in Uttar Pradesh
Agro-climatic Zone | Name of KVK | Total area under hybrid rice during 2009-2014 | Total area under hybrid rice during 2015-19
Central Plain Zone | Lakhimpur Kheri-I | 21000 | 25580
| SHUATS, Prayagraj | 40000 | 83000
| Kaushambi | 9666 | 14900
South Western Semi-Arid Zone | Mathura | 9719 | 4000
Bundelkhand Zone | Jhansi | 6325 | 5120
Eastern Plain Zone | Ayodhya | 189900 | 174500
| Sultanpur-I | 171599 | 190801
North Eastern Plain Zone | Gorakhpur-I | 26000 | 61250
| Siddharthnagar | 94000 | 76000
Bhabhar & Tarai Zone | Mahrajganj | 23421 | 28762
Overall | | 591630 | 663913 (12.22 % increase)
Percent share of total paddy area | | 29.58 % | 34.94 % (+5.36%)
700000
600000
500000
400000
300000
200000
100000
0
21000
25580
40000
83000
9666
14900
9719
4000
6325
5120
189900
174500
171599
190801
26000
61250
94000
76000
23421
28762
591630
663913
Lakhimpur KheriSHUATS, Prayagraj Kaushambi
CPZ
Mathura
SWAZ
Jhansi
BZ
Ayodhya
Sultanpur I
EPZ
Gorakhpur I
Siddharthnagar
NEPZ
Mahrajganj
BaTZ
Overall
Total area under hybrid rice during 2009-2014
Total area under hybrid rice during 2015-19
Dr S N Singh
ICAR-ATARI Kan...
Redmi
डा. रमाकांत शर्मा
Dr. shantanu kuma...